Kuber Chalisa Lyrics

Kuber Chalisa Lyrics in Hindi

॥ दोहा ॥
जैसे अटल हिमालय, और जैसे अडिग सुमेर ।
ऐसे ही स्वर्ग द्वार पे, अविचल खडे कुबेर ॥
विघ्न हरण मंगल करण, सुनो शरणागत की टेर ।
भक्त हेतु वितरण करो, धन माया के ढेर ॥

॥ चौपाई ॥
जै जै जै श्री कुबेर भण्डारी । धन माया के तुम अधिकारी ॥

तप तेज पुंज निर्भय भय हारी । पवन वेग सम सम तनु बलधारी ॥

स्वर्ग द्वार की करें पहरे दारी । सेवक इंद्र देव के आज्ञाकारी ॥

यक्ष यक्षणी की है सेना भारी । सेनापति बने युद्ध में धनुधारी ॥

महा योद्धा बन शस्त्र धारैं । युद्ध करैं शत्रु को मारैं ॥

सदा विजयी कभी ना हारैं । भगत जनों के संकट टारैं ॥

प्रपितामह हैं स्वयं विधाता । पुलिस्ता वंश के जन्म विख्याता ॥

विश्रवा पिता इडविडा जी माता । विभीषण भगत आपके भ्राता ॥

शिव चरणों में जब ध्यान लगाया । घोर तपस्या करी तन को सुखाया ॥

शिव वरदान मिले देवत्य पाया । अमृत पान करी अमर हुई काया ॥

धर्म ध्वजा सदा लिए हाथ में । देवी देवता सब फिरैं साथ में ॥

पीताम्बर वस्त्र पहने गात में । बल शक्ति पूरी यक्ष जात में ॥

स्वर्ण सिंहासन आप विराजैं । त्रिशूल गदा हाथ में साजैं ॥

शंख मृदंग नगारे बाजैं । गंधर्व राग मधुर स्वर गाजैं ॥

चौंसठ योगनी मंगल गावैं । ऋद्धि-सिद्धि नित भोग लगावैं ॥

दास दासनी सिर छत्र फिरावैं । यक्ष यक्षणी मिल चंवर ढूलावैं ॥

ऋषियों में जैसे परशुराम बली हैं । देवन्ह में जैसे हनुमान बली हैं ॥

पुरुषों में जैसे भीम बली हैं । यक्षों में ऐसे ही कुबेर बली हैं ॥

भगतों में जैसे प्रहलाद बड़े हैं । पक्षियों में जैसे गरुड़ बड़े हैं ॥

नागों में जैसे शेष बड़े हैं । वैसे ही भगत कुबेर बड़े हैं ॥

कांधे धनुष हाथ में भाला । गले फूलों की पहनी माला ॥

स्वर्ण मुकुट अरु देह विशाला । दूर-दूर तक होए उजाला ॥

कुबेर देव को जो मन में धारे । सदा विजय हो कभी न हारे ॥

बिगड़े काम बन जाएं सारे । अन्न धन के रहें भरे भण्डारे ॥

कुबेर गरीब को आप उभारैं । कुबेर कर्ज को शीघ्र उतारैं ॥

कुबेर भगत के संकट टारैं । कुबेर शत्रु को क्षण में मारैं ॥

शीघ्र धनी जो होना चाहे । क्युं नहीं यक्ष कुबेर मनाएं ॥

यह पाठ जो पढ़े पढ़ाएं । दिन दुगना व्यापार बढ़ाएं ॥

भूत प्रेत को कुबेर भगावैं । अड़े काम को कुबेर बनावैं ॥

रोग शोक को कुबेर नशावैं । कलंक कोढ़ को कुबेर हटावैं ॥

कुबेर चढ़े को और चढ़ादे । कुबेर गिरे को पुन : उठा दे ॥

कुबेर भाग्य को तुरंत जगा दे । कुबेर भूले को राह बता दे ॥

प्यासे की प्यास कुबेर बुझा दे । भूखे की भूख कुबेर मिटा दे ॥

रोगी का रोग कुबेर घटा दे । दुखिया का दुख कुबेर छुटा दे ॥

बांझ की गोद कुबेर भरा दे । कारोबार को कुबेर बढ़ा दे ॥

कारागार से कुबेर छुड़ा दे । चोर ठगों से कुबेर बचा दे ॥

कोर्ट केस में कुबेर जितावै । जो कुबेर को मन में ध्यावै ॥

चुनाव में जीत कुबेर करावैं । मंत्री पद पर कुबेर बिठावैं ॥

पाठ करे जो नित मन लाई । उसकी कला हो सदा सवाई ॥

जिसपे प्रसन्न कुबेर की माई । उसका जीवन चले सुखदाई ॥

जो कुबेर का पाठ करावै । उसका बेड़ा पार लगावै ॥

उजड़े घर को पुन : बसावै । शत्रु को भी मित्र बनावै ॥

सहस्त्र पुस्तक जो दान कराई । सब सुख भोद पदार्थ पाई ॥

प्राण त्याग कर स्वर्ग में जाई । मानस परिवार कुबेर कीर्ति गाई ॥

॥ दोहा ॥
शिव भक्तों में अग्रणी, श्री यक्षराज कुबेर ।
हृदय में ज्ञान प्रकाश भर, कर दो दूर अंधेर ॥

कर दो दूर अंधेर अब, जरा करो ना देर ।
शरण पड़ा हूं आपकी, दया की दृष्टि फेर ॥

नित्त नेम कर प्रात: ही, पाठ करौं चालीसा ।
तुम मेरी मनोकामना, पूर्ण करो जगदीश ॥

मगसर छठि हेमन्त ऋतु, संवत चौसठ जान ।
अस्तुति चालीसा शिवहि, पूर्ण कीन कल्याण ॥

Kuber Chalisa Lyrics in Hinglish

Doha
Jaise atal Himalaya, aur jaise adig Sumer.

Aise hi swarg dwaar pe, avichal khade Kuber.
Vighn haran, mangal karan, suno sharanagat ki ter.
Bhakt hetu vitran karo, dhan maya ke dher.

Chaupai
Jai Jai Jai Shri Kuber Bhandari.
Dhan maya ke tum adhikari.

Tap tej punj, nirbhay bhay haari.
Pawan veg sam, sam tanubala dhari.

Swarg dwaar ki karein pahre daari.
Sevak Indra dev ke aagya kaari.

Yaksh yakshini ki hai sena bhaari.
Senapati bane yudh mein dhanudhari.

Maha yoddha ban shastra dhaarain.
Yudh karain, shatru ko maarain.

Sada vijayi, kabhi na haarain.
Bhagat jano ke sankat taarai.

Prapitamah hain swayam vidhata.
Pulista vansh ke janm vikhyaata.

Vishrava pita, Idvida ji mata.
Vibhishan bhagat aapke bhrata.

Shiv charnon mein jab dhyaan lagaya.
Ghor tapasya kari tan ko sukhaya.

Shiv vardaan mile devtva paaya.
Amrit paan kari, amar hui kaaya.

Dharm dhwaja sada liye haath mein.
Devi devta sab phirain saath mein.

Peetambar vastra pehne gaat mein.
Bal shakti poori yaksh jaat mein.

Swarna singhasan aap virajain.
Trishul gada haath mein saajain.

Shankh mridang nagare bajain.
Gandharva raag madhur svar gajain.

Chausath yogini mangal gaavain.
Riddhi-siddhi nit bhog lagaavain.

Das dasani sir chhatra phiravain.
Yaksh yakshini mil chhamvar dhoondavain.

Rishiyon mein jaise Parshuram bali hain.
Devon mein jaise Hanuman bali hain.

Purushon mein jaise Bheem bali hain.
Yakshon mein aise hi Kuber bali hain.

Bhakton mein jaise Prahlad bade hain.
Pakshiyon mein jaise Garud bade hain.

Naagoon mein jaise Shesh bade hain.
Waise hi bhakt Kuber bade hain.

Kandhe dhanush haath mein bhala.
Gale phoolon ki pehni mala.

Swarna mukut aru deha vishala.
Door-door tak hoye ujala.

Kuber dev ko jo man mein dhare.
Sada vijay ho kabhi na haare.

Bigde kaam ban jaayein saare.
Anna dhan ke rahein bhare bhandaare.

Kuber gareeb ko aap ubhaare.
Kuber karz ko shighra utaare.

Kuber bhagat ke sankat taare.
Kuber shatru ko kshan mein maarain.

Shighra dhani jo hona chahe.
Kyun nahi yaksh Kuber manayein.

Yeh paath jo padhe padhaaye.
Din dugna vyapaar badhaaye.

Bhoot pret ko Kuber bhagwaaye.
Ade kaam ko Kuber banwaaye.

Rog shok ko Kuber nashwaaye.
Kalank koth ko Kuber hataaye.

Kuber chadhne ko aur chhada de.
Kuber girne ko punah utha de.

Kuber bhaagya ko turant jaga de.
Kuber bhule ko raah bata de.

Pyaase ki pyaas Kuber bujha de.
Bhookhe ki bhook Kuber mita de.

Rogi ka rog Kuber ghata de.
Dukhiya ka dukh Kuber chhuta de.

Baanjh ki god Kuber bhara de.
Kaarobar ko Kuber badha de.

Kaaraagaar se Kuber chhudwa de.
Chor thagon se Kuber bacha de.

Court case mein Kuber jitwaaye.
Jo Kuber ko man mein dhyaave.

Chunav mein jeet Kuber karaaye.
Mantri pad par Kuber bithaaye.

Paat kare jo nit man laayi.
Uski kala ho sada sawaayi.

Jispe prasann Kuber ki maai.
Uska jeevan chale sukhdaayi.

Jo Kuber ka paath karwaaye.
Uska beera paar lagaaye.

Ujre ghar ko punah basaawe.
Shatru ko bhi mitra banaye.

Sahastra pustak jo daan karaaye.
Sab sukh bhod padarth paaaye.

Praan tyaag kar swarg mein jaaye.
Manas parivaar Kuber kiirti gaaye.

Doha
Shiv bhakton mein agrani, Shri Yakshraj Kuber.
Hriday mein gyaan prakaash bhar, kar do door andher.

Kar do door andher ab, zara karo na der.
Sharan pada hun aapki, daya ki drishti pher.

Nitta nem kar praatah hi, paath karun chaalisa.
Tum meri manokamna, poorn karo Jagdish.

Magasar chhathi Hemant ritu, sanvat chhausath jaan.
Astu stuti chaalisa Shivhi, poorn keen kalyan.

Kuber Chalisa Meaning in Hindi

दोहा

1. **“जैसे अटल हिमालय, और जैसे अडिग सुमेर।”**
    - यह पंक्ति भगवान कुबेर की स्थिरता को दर्शाती है, उन्हें अटल और अडिग पर्वतों के समान बताया गया है, जो हमेशा स्थिर रहते हैं।

2. **“ऐसे ही स्वर्ग द्वार पे, अविचल खडे कुबेर।”**
    - यहाँ कहा गया है कि भगवान कुबेर स्वर्ग के द्वार पर इस प्रकार स्थिर हैं, जैसे पर्वत अपनी जगह से हिलते नहीं।

3. **“विघ्न हरण मंगल करण, सुनो शरणागत की टेर।”**
    - कुबेर विघ्नों को दूर करने वाले और मंगल करने वाले हैं। वे शरण में आए भक्तों की पुकार सुनते हैं।

4. **“भक्त हेतु वितरण करो, धन माया के ढेर।”**
    - यह प्रार्थना की गई है कि वे भक्तों के लिए धन और माया का वितरण करें, जिससे भक्त समृद्धि प्राप्त कर सकें।

चौपाई

1. **“जै जै जै श्री कुबेर भण्डारी।”**
    - कुबेर की जयकार की जा रही है, उन्हें भण्डारी (धन के अधिकारी) कहा गया है।

2. **“धन माया के तुम अधिकारी।”**
    - कुबेर को धन और माया का अधिकारी माना गया है, वे इस संसार में धन के स्वामी हैं।

3. **“तप तेज पुंज निर्भय भय हारी।”**
    - उन्हें तप और तेज का पुंज कहा गया है, जो सभी भय को हरने में सक्षम हैं।

4. **“पवन वेग सम सम तनु बलधारी।”**
    - उनकी शक्ति पवन के वेग के समान है, जो बहुत बलशाली हैं।

5. **“स्वर्ग द्वार की करें पहरे दारी।”**
    - कुबेर स्वर्ग के द्वार की रक्षा करते हैं।

6. **“सेवक इंद्र देव के आज्ञाकारी।”**
    - वे इंद्र देव के आज्ञाकारी सेवक हैं, हमेशा उनके आदेशों का पालन करते हैं।

7. **“यक्ष यक्षणी की है सेना भारी।”**
    - उनकी सेना यक्षों और यक्षिणियों से भरी हुई है।

8. **“सेनापति बने युद्ध में धनुधारी।”**
    - कुबेर युद्ध के समय धनुर्धारी सेनापति की भूमिका निभाते हैं।

9. **“महा योद्धा बन शस्त्र धारैं।”**
    - वे महान योद्धा हैं, जो शस्त्र उठाते हैं।

10. **“युद्ध करैं शत्रु को मारैं।”**
    - वे युद्ध करते हैं और अपने शत्रुओं को पराजित करते हैं।

11. **“सदा विजयी कभी ना हारैं।”**
    - कुबेर हमेशा विजयी रहते हैं और कभी हार नहीं मानते।

12. **“भगत जनों के संकट टारैं।”**
    - वे अपने भक्तों के संकटों को दूर करते हैं।

13. **“प्रपितामह हैं स्वयं विधाता।”**
    - उन्हें प्रपितामह और विधाता कहा गया है, जो सबकी सृष्टि करते हैं।

14. **“पुलिस्ता वंश के जन्म विख्याता।”**
    - कुबेर पुलिस्ता वंश में जन्मे हैं और प्रसिद्ध हैं।

15. **“विश्रवा पिता इडविडा जी माता।”**
    - उनके पिता का नाम विश्रवा और माता का नाम इडविडा है।

16. **“विभीषण भगत आपके भ्राता।”**
    - विभीषण, जो रामायण के पात्र हैं, उनके भाई हैं और उनके भक्त भी हैं।

17. **“शिव चरणों में जब ध्यान लगाया।”**
    - कुबेर ने शिव के चरणों में ध्यान लगाया।

18. **“घोर तपस्या करी तन को सुखाया।”**
    - उन्होंने कठिन तपस्या की और अपने शरीर को सुखद बनाया।

19. **“शिव वरदान मिले देवत्य पाया।”**
    - उन्हें शिव से वरदान मिला और उन्होंने दिव्यता प्राप्त की।

20. **“अमृत पान करी अमर हुई काया।”**
    - उन्होंने अमृत का पान किया, जिससे उनकी काया अमर हो गई।

21. **“धर्म ध्वजा सदा लिए हाथ में।”**
    - वे हमेशा धर्म की ध्वजा अपने हाथ में रखते हैं।

22. **“देवी देवता सब फिरैं साथ में।”**
    - सभी देवी-देवता उनके साथ रहते हैं।

23. **“पीताम्बर वस्त्र पहने गात में।”**
    - कुबेर पीताम्बर वस्त्र पहनते हैं, जो उन्हें गरिमामय बनाता है।

24. **“बल शक्ति पूरी यक्ष जात में।”**
    - यक्ष जाति में उनके बल और शक्ति की कोई तुलना नहीं।

25. **“स्वर्ण सिंहासन आप विराजैं।”**
    - कुबेर स्वर्ण सिंहासन पर विराजमान हैं।

26. **“त्रिशूल गदा हाथ में साजैं।”**
    - उनके हाथ में त्रिशूल और गदा होती है।

27. **“शंख मृदंग नगारे बाजैं।”**
    - शंख, मृदंग और नगारे बजते हैं, जो उनकी महिमा को दर्शाते हैं।

28. **“गंधर्व राग मधुर स्वर गाजैं।”**
    - गंधर्व मधुर राग गाते हैं, जो वातावरण को सुखद बनाते हैं।

29. **“चौंसठ योगनी मंगल गावैं।”**
    - चौंसठ योगिनियाँ उनकी स्तुति करती हैं।

30. **“ऋद्धि-सिद्धि नित भोग लगावैं।”**
    - ऋद्धि और सिद्धि उनके साथ हमेशा भोग लगाती हैं।

31. **“दास दासनी सिर छत्र फिरावैं।”**
    - उनके भक्त उनके सिर पर छत्र लेकर चलते हैं।

32. **“यक्ष यक्षणी मिल चंवर ढूलावैं।”**
    - यक्ष और यक्षिणियाँ मिलकर चंवर झलते हैं।

33. **“ऋषियों में जैसे परशुराम बली हैं।”**
    - ऋषियों में परशुराम की शक्ति का उदाहरण दिया गया है।

34. **“देवन्ह में जैसे हनुमान बली हैं।”**
    - देवों में हनुमान की शक्ति का उदाहरण दिया गया है।

35. **“पुरुषों में जैसे भीम बली हैं।”**
    - पुरुषों में भीम की शक्ति का उल्लेख किया गया है।

36. **“यक्षों में ऐसे ही कुबेर बली हैं।”**
    - यक्षों में कुबेर की शक्ति का बखान किया गया है।

37. **“भगतों में जैसे प्रहलाद बड़े हैं।”**
    - भक्तों में प्रहलाद की महानता का उदाहरण दिया गया है।

38. **“पक्षियों में जैसे गरुड़ बड़े हैं।”**
    - पक्षियों में गरुड़ की शक्ति का उल्लेख किया गया है।

39. **“नागों में जैसे शेष बड़े हैं।”**
    - नागों में शेष नाग की महानता का बखान किया गया है।

40. **“वैसे ही भगत कुबेर बड़े हैं।”**
    - इसी तरह, कुबेर भी अपने भक्तों के लिए महान हैं।

41. **“कांधे धनुष हाथ में भाला।”**
    - कुबेर के कंधे पर धनुष और हाथ में भाला होता है।

42. **“गले फूलों की पहनी माला।”**
    - उनके गले में फूलों की माला होती है।

43. **“स्वर्ण मुकुट अरु देह विशाला।”**
    - कुबेर के सिर पर स्वर्ण मुकुट है और उनका शरीर विशाल है।

44. **“दूर-दूर तक होए उजाला।”**
    - उनके प्रकाश से दूर-दूर तक उजाला फैलता है।

45. **“कुबेर देव को जो मन में धारे।”**
    - जो भी कुबेर देव को अपने मन में धारण करता है।

46. **“सदा विजय हो कभी न हारे।”**
    - उसे हमेशा विजय प्राप्त होती है, वह कभी हारता नहीं।

47. **“बिगड़े काम बन जाएं सारे।”**
    - उसके बिगड़े हुए काम भी पूरे हो जाते हैं।

48. **“अन्न धन के रहें भरे भण्डारे।”**
    - उसके घर में अन्न और धन के भंडार भरे रहते हैं।

49. **“कुबेर गरीब को आप उभारैं।”**
    - कुबेर गरीबों की मदद करते हैं।

50. **“कुबेर कर्ज को शीघ्र उतारैं।”**
    - वे कर्ज चुकाने में भी सहायता करते हैं।

51. **“संकट हरन संकटों से पारैं।”**
    - कुबेर संकटों को हरने और पार करने में सहायता करते हैं।

52. **“ये सब गुण आपके सद्गुण हैं।”**
    - यह सभी गुण कुबेर के सद्गुण हैं।

53. **“भगत जन की रखें ध्यान।”**
    - वे हमेशा भक्तों का ध्यान रखते हैं।

54. **“जो कोई ये पाठ करें मन में।”**
    - जो भी इस पाठ को मन में करता है।

55. **“व्यापार में बढ़े, दुख न हो भान।”**
    - उसके व्यापार में वृद्धि होती है और दुख नहीं होता।

56. **“सदा सुखी रहो, न हो कोई बिमारी।”**
    - वह हमेशा सुखी रहता है और उसे कोई बीमारी नहीं होती।

57. **“भूत प्रेत को भगाने को, रोग और शोक हराने को।”**
    - यह पाठ भूत-प्रेत को भगाने और रोग-शोक को दूर करने में मदद करता है।

58. **“संकट हरते देवता कुबेर।”**
    - भगवान कुबेर संकटों को दूर करने वाले हैं।

59. **“भक्ति करें, उनकी कृपा पाएँ।”**
    - भक्ति करने पर उनकी कृपा प्राप्त होती है।

60. **“धन्य है वह, जो कुबेर को धारण करे।”**
    - जो कुबेर की आराधना करता है, वह धन्य है।

61. **“कुबेर ज्ञान से भर दे सबको।”**
    - कुबेर सबको ज्ञान से भर देते हैं।

62. **“अंधकार को दूर करे, यह संदेश है।”**
    - वे अंधकार को दूर करते हैं, यह उनका संदेश है।

63. **“कुबेर की कृपा सदा बनी रहे।”**
    - यह प्रार्थना है कि कुबेर की कृपा हमेशा बनी रहे।

Kuber Chalisa Meaning in English

Doha (Couplet)

1. **“Like the unwavering Himalayas, and like the steadfast Sumer.”**
    - This line compares Lord Kuber’s stability to that of the unmovable mountains, emphasizing his eternal presence.

2. **“Thus, Kuber stands firm at the gateway to heaven.”**
    - It indicates that Lord Kuber stands at the entrance of heaven, just as mountains remain steadfast.

3. **“He removes obstacles and brings prosperity; listen to the cries of the surrendered.”**
    - Kuber is depicted as a remover of obstacles and a bringer of good fortune, always attentive to the calls of his devotees.

4. **“Distribute wealth and abundance to the devotees.”**
    - This prayer asks Kuber to distribute wealth and prosperity to his devotees, enabling them to thrive.

Chaupai (Quatrain)

1. **“Victory, victory, victory to Lord Kuber, the treasurer.”**
    - A chant of victory is made in honor of Kuber, who is referred to as the treasurer of wealth.

2. **“You are the lord of wealth and abundance.”**
    - Kuber is acknowledged as the master of wealth and material prosperity.

3. **“A beacon of penance and radiance, fearless and a remover of fear.”**
    - He is described as a source of penance and light, capable of dispelling all fears.

4. **“Like the speed of the wind, you are a bearer of great strength.”**
    - His power is likened to the swift force of the wind, emphasizing his strength.

5. **“You guard the gateway to heaven.”**
    - Kuber is depicted as the protector of heaven’s entrance.

6. **“A devoted servant of Indra, always obedient to commands.”**
    - He is presented as a loyal servant of Indra, obeying the divine

commands.

7. **“The army of Yakshas and Yakshinis is vast.”**
    - His army consists of Yakshas and Yakshinis, indicating his strength and resources.

8. **“As the commander in war, you wield a bow.”**
    - Kuber takes on the role of a commander in battles, representing his warrior-like qualities.

9. **“A great warrior, you carry weapons.”**
    - He is referred to as a mighty warrior, always armed and ready.

10. **“In battles, you defeat enemies.”**
    - This line highlights his role as a conqueror of foes in warfare.

11. **“Always victorious, never defeated.”**
    - Kuber is portrayed as one who is always triumphant and never faces defeat.

12. **“He relieves the troubles of his devotees.”**
    - He is known for alleviating the difficulties of those who worship him.

13. **“He is the great-grandfather and the creator.”**
    - This line emphasizes his status as a primordial figure who is involved in creation.

14. **“Born from the lineage of Pulastya, renowned.”**
    - Kuber is acknowledged as a notable figure in the lineage of the sage Pulastya.

15. **“His father is Vishrava, and his mother is Idavida.”**
    - This line provides familial background, naming his parents.

16. **“Vibhishana, the devotee, is your brother.”**
    - Vibhishana, known from the Ramayana, is mentioned as his brother and devotee.

17. **“When you meditated at Shiva’s feet.”**
    - Kuber is noted for his devotion, meditating at Lord Shiva’s feet.

18. **“You performed severe penance and attained bliss.”**
    - This line highlights his rigorous penance that led to spiritual fulfillment.

19. **“Shiva blessed you, granting divinity.”**

- Lord Shiva bestowed divine grace upon Kuber.

20. **“You drank nectar and attained immortality.”**
    - Kuber consumed nectar, symbolizing the attainment of immortality.

21. **“Always carrying the flag of righteousness.”**
    - He is depicted as a champion of dharma (righteousness), always upholding virtue.

22. **“All deities walk alongside you.”**
    - It suggests that Kuber is accompanied by all divine beings.

23. **“Dressed in yellow garments, you radiate glory.”**
    - His appearance in yellow attire signifies his majestic presence.

24. **“Strength and power abound among the Yaksha tribe.”**
    - His kin, the Yakshas, are portrayed as powerful beings.

25. **“You sit on a golden throne.”**
    - Kuber is described as seated upon a throne of gold, symbolizing wealth.

26. **“With a trident and mace in hand.”**
    - He wields a trident and mace, indicating his might and readiness for battle.

27. **“Shells, drums, and trumpets resound.”**
    - Musical instruments signify celebration and his majestic presence.

28. **“Celestial beings sing sweet melodies.”**
    - The celestial beings (Gandharvas) sing in his honor, enhancing the divine atmosphere.

29. **“Sixty-four Yoginis sing auspicious songs.”**
    - The Yoginis are mentioned as chanting hymns of praise for Kuber.

30. **“Wealth and accomplishments always accompany you.”**
    - The presence of prosperity and success is assured with Kuber.

31. **“The servants raise umbrellas above you.”**
    - His devotees serve him reverently, symbolizing respect and honor.

32. **“Yakshas and Yakshinis wave fans for you.”**
    - His attendants are depicted as fanning him, showcasing his

elevated status.

33. **“Among sages, like Parashurama, you are mighty.”**
    - Kuber is compared to Parashurama, a powerful sage, highlighting his strength.

34. **“Among deities, like Hanuman, you are formidable.”**
    - He is equated with Hanuman, emphasizing his invincible nature.

35. **“Among men, like Bhima, you are strong.”**
    - The comparison to Bhima showcases his exceptional power among mortals.

36. **“Among Yakshas, you stand as the strongest.”**
    - This line asserts that Kuber is the mightiest among the Yakshas.

37. **“Among devotees, Prahlada is great.”**
    - Prahlada, a devoted figure, is mentioned to emphasize the significance of devotion.

38. **“Among birds, Garuda is supreme.”**
    - Garuda, the king of birds, is noted for his strength and stature.

39. **“Among serpents, Shesha is grand.”**
    - Shesha, a mythological serpent, represents strength and is noted here.

40. **“In this way, devotees of Kuber are exalted.”**
    - This line emphasizes that those who worship Kuber hold a place of honor.

41. **“With a bow on your shoulder and spear in hand.”**
    - Kuber is depicted as a warrior, armed and ready for action.

42. **“Wearing a garland of flowers around your neck.”**
    - This symbolizes his grandeur and the beauty of his form.

43. **“With a golden crown and a massive body.”**
    - His physical attributes are described, indicating his regal stature.

44. **“Light spreads far and wide.”**
    - His divine radiance is so bright that it illuminates the surroundings.

45. **“Whoever holds Kuber in their heart.”**
    - Those who revere Kuber in their hearts are mentioned.

46. **“Will always achieve victory and never face defeat.”**
    - This line assures that worshipers will remain victorious.

47. **“Whatever is broken will be made whole.”**
    - The fulfillment of desires and restoration of fortunes is promised.

48. **“Their homes will be filled with food and wealth.”**
    - The blessings of abundance and prosperity are assured.

49. **“Kuber lifts the poor.”**
    - He is depicted as a supporter of the less fortunate.

50. **“Kuber swiftly helps repay debts.”**
    - Kuber is portrayed as a facilitator for clearing debts.

51. **“He removes difficulties and helps overcome obstacles.”**
    - Kuber is known for alleviating challenges and difficulties.

52. **“All these qualities are your noble traits.”**
    - The line highlights that all these attributes belong to Kuber.

53. **“He cares for his devotees.”**
    - His compassion for his followers is emphasized.

54. **“Whoever recites this text with devotion.”**
    - The act of chanting this text is encouraged for all.

55. **“In business, they will prosper; suffering will be absent.”**
    - This line promises success in endeavors without sorrow.

56. **“They will always remain happy and free from illness.”**
    - A guarantee of health and happiness is provided.

57. **“To drive away ghosts and spirits, to heal sickness and grief.”**
    - The text serves as a remedy for various adversities.

58. **“Kuber is the one who removes difficulties.”**
    - Kuber’s role as a solution to troubles is reiterated.

59. **“Devotion leads to his grace.”**
    - Faith and devotion are key to receiving his blessings.

60. **“Blessed is he who worships Kuber.”**
    - This line concludes that those who revere Kuber are fortunate.

61. **“Kuber fills everyone with knowledge.”**
    - Kuber is said to endow wisdom and understanding.

62. **“He dispels darkness; this is his message.”**
    - The essence of his being is to bring light and clarity.

63. **“May Kuber’s grace always be with us.”**
    - A prayer is offered for his continuous blessings.